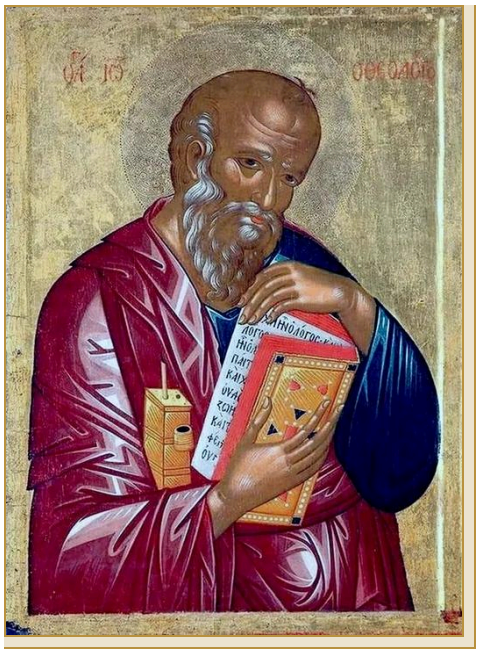


प्रेरितिक उत्तराधिकार

प्रेरित और सुसमाचार-लेखक संत यूहन्ना से वर्तमान समय तक

इस उत्तराधिकार-क्रम में

बिशप*

Garland F. Byers, Jr., J.D., D.D.‡

जातियों के लिए बिशप, प्रेरितिक आदेश के अधीन

1. संत यूहन्ना, प्रेरित और सुसमाचार-लेखक CO

लगभग 30 ई. में मसीह द्वारा बुलाए गए

पवित्रशास्त्र में उल्लेख: अपने भाई याकूब के साथ, जब्दी के पुत्रों के रूप में, बुलाए गए (मत्ती 4:21–22); बारह प्रेरितों में नामित (मत्ती 10:2)

यह प्रेरितिक उत्तराधिकार-क्रम लगभग 30 ई. में प्रेरित यूहन्ना से आरंभ होकर आज तक चला आता है – 2026 तक 1,996 वर्षों की अवधि।

बिशप-पद पर अभिषेक, एक से अगले को, नीचे नामित कलीसियाओं के माध्यम से किए गए।

इस उत्तराधिकार-क्रम के कुछ बिशप संतों के रूप में भी सम्मानित हैं। उनके नामों के पास दिए गए चिह्न केवल जीवन की पवित्रता से संबंधित हैं। वे किसी भी अभिषेक की वैधता पर कोई प्रभाव नहीं डालते: सूची में दिया गया प्रत्येक बिशप उत्तराधिकार में समान रूप से अपना स्थान रखता है, चाहे वह संत के रूप में सम्मानित हो या न हो।

संत संत: वह व्यक्ति जिसे कोई कलीसिया सार्वजनिक रूप से इस रूप में सम्मान देती है कि उसने वीरतापूर्ण पवित्रता का जीवन जिया और अब वह परमेश्वर के साथ है, और जिसकी स्मृति वह अपने पंचांग में रखती है। आरम्भिक कलीसिया में संतों को विश्वासियों और उनके बिशपों की सार्वजनिक स्वीकृति द्वारा मान्यता मिलती थी; बाद में, रोमन कैथोलिक कलीसिया में औपचारिक संत-घोषणा (canonization) द्वारा और पूर्वी ऑर्थोडॉक्स कलीसिया में महिमाकरण (glorification) द्वारा।

धन्य धन्य: रोमन कैथोलिक कलीसिया में, वह व्यक्ति जिसे धन्य घोषित किया गया है (beatification); यह संत घोषित किए जाने से पहले का औपचारिक चरण है।

C रोमन कैथोलिक कलीसिया द्वारा संत या धन्य के रूप में सम्मानित।

CO रोमन कैथोलिक और पूर्वी ऑर्थोडॉक्स दोनों कलीसियाओं द्वारा संत के रूप में सम्मानित।

लाल शहीद: वह जिसने विश्वास के लिए अपने प्राण दिए।

कौन संत है, इस पर कलीसियाएँ सदा सहमत नहीं होतीं। एक कलीसिया किसी ऐसे व्यक्ति को सम्मान दे सकती है जिसे दूसरी नहीं देती, और चिह्न दर्शाते हैं कि प्रत्येक को कौन-सी कलीसिया सम्मान देती है।

स्मुरना

आसिया में स्मुरना की कलीसिया, जिसके बिशप संत पॉलीकार्प प्रेरित यूहन्ना के चेले थे और प्रेरितों द्वारा नियुक्त किए गए थे।

2. संत पॉलीकार्प CO शहीद ..... लगभग 100

ल्योन

गॉल में ल्योन का पीठ, जिसकी स्थापना संत पोथिनुस ने की, जिन्हें संत पॉलीकार्प ने आसिया से भेजा था, और उनके बाद जिसका नेतृत्व संत इरेनियस ने किया, जो स्वयं भी संत पॉलीकार्प के शिष्य थे। इसके बिशप Aetherius उन लोगों में थे जिनसे पोप संत ग्रेगरी महान ने इंग्लैंड के मिशन पर जा रहे संत ऑगस्टीन की सिफारिश की थी।

3. संत पोथिनुस CO शहीद ..... दूसरी शताब्दी
4. संत इरेनियस CO शहीद 177
5. संत Zacharias CO ..... लगभग 202
6. Helios ..... तीसरी शताब्दी
7. संत Faustinus CO 254
8. Verus ..... तीसरी शताब्दी
9. Julius ..... तीसरी शताब्दी
10. Ptolemaeus ..... तीसरी शताब्दी
11. Vocius 314
12. Maximus ..... चौथी शताब्दी
13. Tetradius ..... चौथी शताब्दी
14. Verissimus 343
15. संत Justus CO 374
16. संत Albinus CO ..... लगभग 390
17. संत Martin CO ..... चौथी शताब्दी
18. संत Antiochus CO ..... लगभग 400
19. संत Elpidius CO ..... लगभग 410
20. संत Sicarius CO ..... लगभग 422
21. संत Eucherius CO ..... लगभग 433
22. संत Patiens CO ..... लगभग 451
23. संत Lupicinus CO 491
24. संत Rusticus CO 494
25. संत Stephanus CO 501
26. संत Viventiolus CO 515
27. Eucherius II ..... छठी शताब्दी
28. संत Lupus CO 535
29. Leontius 542
30. संत Sacerdos CO 549
31. संत Nicetius CO 552
32. Priscus 573
33. Aetherius 586

कैंटरबरी

कैंटरबरी का पीठ, जिसकी स्थापना संत ऑगस्टीन ने की, जिन्हें गॉल में बिशप के रूप में अभिषिक्त किया गया था और जिन्हें पोप संत ग्रेगरी महान ने 597 में अंग्रेजों तक सुसमाचार पहुँचाने के लिए भेजा था।

34. कैंटरबरी के संत ऑगस्टीन CO 597
35. संत Laurence CO 604
36. संत Mellitus CO 619
37. संत Justus CO 624
38. संत Honorius CO 627
39. संत Deusdedit CO 655
40. तरसुस के संत Theodore CO 668

41. संत Brihtwald CO 693
42. संत Tatwine CO 731
43. संत Nothelm CO 735
44. Cuthbert 740
45. संत Bregowine CO 759
46. Jaenberht 766
47. Æthelhard 793
48. Wulfred 805
49. Feologild 832
50. Ceolnoth 833
51. Æthelred 870
52. Plegmund 890
53. संत Athelm CO 914
54. Wulfhelm 923
55. संत Oda CO 942
56. संत Dunstan CO 960
57. Æthelgar 988
58. Sigeric 990
59. Ælfric 995
60. संत Ælfheah CO शहीद 1006
61. Lyfing 1013
62. Æthelnoth 1020
63. Eadsige 1038
64. ज्यूमिएज के Robert 1051
65. Stigand 1052
66. Lanfranc 1070
67. संत Anselm C 1093
68. Ralph d'Escures 1114
69. William de Corbeil 1123
70. बेक के Theobald 1139
71. संत Thomas Becket C शहीद 1162
72. डोवर के Richard 1174
73. फोर्ड के Baldwin 1185
74. Reginald Fitz Jocelin 1191
75. Hubert Walter 1193
76. Stephen Langton 1207
77. Richard le Grant 1229
78. संत Edmund Rich C 1234
79. सेवॉय के धन्य Boniface C 1245
80. Robert Kilwardby 1273
81. John Peckham 1279
82. Robert Winchelsey 1294
83. Walter Reynolds 1313
84. Simon Mepham 1328
85. John Stratford 1333
86. Thomas Bradwardine 1349
87. Simon Islip 1349
88. Simon Langham 1366
89. William Whittlesey 1368
90. Simon Sudbury 1375
91. William Courtenay 1381
92. Thomas Arundel 1396
93. Henry Chichele 1414
94. John Stafford 1443
95. John Kemp 1452
96. Thomas Bourchier 1454
97. John Morton 1486
98. Henry Deane 1501

99. William Warham 1503

100. Thomas Cranmer 1533

चर्च ऑफ़ इंग्लैंड

धर्मसुधार (Reformation) के बाद, चर्च ऑफ़ इंग्लैंड के बिशप, जिनमें से प्रत्येक को अपने से पहले सूचीबद्ध बिशप ने अभिषिक्त किया।

101. John Scory 1551

102. Matthew Parker 1559

103. Edmund Grindal 1559

104. John Whitgift 1577

105. Richard Bancroft 1597

106. George Abbot 1609

107. George Montaigne 1617

108. William Laud 1621

109. Brian Duppa 1638

110. Gilbert Sheldon 1660

111. Henry Compton 1674

112. William Sancroft 1678

113. Jonathan Trelawny 1685

114. John Potter 1715

115. Thomas Herring 1738

116. Frederick Cornwallis 1750

117. John Moore 1775

अमेरिका

William White से, जिन्हें 1787 में Lambeth Palace में संयुक्त राज्य अमेरिका की कलीसिया के लिए अभिषिक्त किया गया, उन बिशपों तक जिन्होंने यह उत्तराधिकार-क्रम आज तक आगे बढ़ाया है।

118. William White 1787

119. Benjamin Treadwell Onderdonk 1830

120. Samuel Allen McCoskry 1836

121. William Edward McLaren 1875

122. William Montgomery Brown 1898

123. Wallace David de Ortega Maxey 1927

124. Nils Bertil Alexander Persson 1986

125. Samuel Guido, Jr. 2004

126.

Garland F. Byers, Jr.

2013

कैंटरबरी की आर्चबिशप के साथ साझा उत्तराधिकार

कैंटरबरी की वर्तमान आर्चबिशप, सारा मुलाली (Sarah Mullally), और बिशप बायर्स संत यूहन्ना से लेकर Thomas Herring (1738 में अभिषिक्त; 1747–1757 तक कैंटरबरी के आर्चबिशप) तक एक ही प्रेरितिक उत्तराधिकार-क्रम साझा करते हैं। आर्चबिशप Herring ने अपने ही हाथों से उन बिशपों को अभिषिक्त किया जिनसे दोनों क्रम निकलते हैं: आर्चबिशप मुलाली के क्रम में, 1748 में Robert Hay Drummond को; बिशप बायर्स के क्रम में, 1750 में Frederick Cornwallis को।

पवित्र दीक्षा

पुरोहित-अभिषेक

17 अगस्त 2008, हाथ रखकर, St. Paul's Lutheran Orthodox Chapel, पामर्टन, पेंसिल्वेनिया में।

बिशप-पद पर अभिषेक

20 अप्रैल 2013, पवित्र प्रभु-भोज के अनुष्ठान के दौरान हाथ रखकर, St. Paul's Lutheran Orthodox Chapel में, जिसकी सभा उस दिन American Legion Post 16, स्लैटिंगटन, पेंसिल्वेनिया में हुई थी।

प्रमुख अभिषेककर्ता

बिशप Samuel Guido, Jr.

सह-अभिषेककर्ता

बिशप Bradley A. Varvil

बिशप Michael Byus

बिशप James Thompson

सुसमाचार के सेवक के रूप में अभिषेक और बिशप-पद पर अभिषेक के प्रमाण-पत्र, बिशप-पद पर अभिषेक के छायाचित्रों सहित, बिशप के विषय में पृष्ठ पर प्रस्तुत हैं।

सेवा

20 अप्रैल 2013 को Lutheran Orthodox Church, Inc. के भीतर बिशप-पद पर अभिषेक, जिसमें उन्होंने बाद में Western North Carolina धर्मप्रांत के आर्चबिशप के रूप में सेवा की। बिशप बायर्स अब उस संस्था से संबद्ध नहीं हैं।

डॉक्टर ऑफ़ डिविनिटी (मानद, honoris causa), Lutheran Orthodox Church, Inc. द्वारा 20 अप्रैल 2013 को प्रदान की गई।

इस पृष्ठ पर हिंदी में उद्धृत सभी बाइबल-वचन इंडियन रिवाइज्ड वर्जन (IRV) हिंदी, 2019 से लिए गए हैं। कॉपीराइट © 2017, 2018, 2019 Bridge Connectivity Solutions; Creative Commons Attribution-ShareAlike 4.0 International (CC BY-SA 4.0) लाइसेंस के अंतर्गत। पाठ: ebible.org/hin2017। वचनों के अंश उद्धृत किए गए हैं; लोप-चिह्न (...) छोड़े गए अंश दर्शाते हैं। बाइबल के पाठ में कोई अन्य परिवर्तन नहीं किया गया है।

धर्मविज्ञानी, पवित्र प्रेरित और सुसमाचार-लेखक यूहन्ना का आइकन, यूनान, लगभग 1500, धर्मविज्ञानी संत यूहन्ना का मठ, पतमुस। सार्वजनिक डोमेन, Wikimedia Commons के माध्यम से।